

डिजिटल भुगतान से स्मार्ट ऋण तक,

बदल रहा एमएसएमई का कारोबार

यूपीआई से लेन-देन का रिकॉर्ड मजबूत हुआ, छोटे कारोबारियों के लिए औपचारिक ऋण की राह आसान होने लगी : उमेश अरोड़ा नवज्योति/जोधपुर।

देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में कारोबार और वित्तीय प्रबंधन का तरीका तेजी से बदल रहा है। डिजिटल भुगतान, खासकर यूपीआई के बढ़ते इस्तेमाल ने छोटे कारोबारियों के लेन-देन को रिकॉर्ड में लाने के साथ उनके लिए औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जुड़ने के नए रास्ते खोले हैं। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के उभरते व्यवसाय प्रमुख उमेश अरोड़ा के अनुसार डिजिटल लेन-देन अब केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह कारोबार की वित्तीय पहचान तैयार करने में भी भूमिका निभा रहा है। अरोड़ा के अनुसार कुछ वर्ष पहले तक बड़ी संख्या में छोटे और सूक्ष्म कारोबारी नकद लेन-देन पर निर्भर थे। बिक्री, सामान की खरीद और मुनाफे का हिसाब होने के बावजूद कारोबार की गतिविधियों का ऐसा व्यवस्थित रिकॉर्ड



उपलब्ध नहीं होता था, जिसे ऋणदाता कारोबार की क्षमता आंकने के लिए इस्तेमाल कर सकें। इसका असर कारोबारियों की ऋण हासिल करने की क्षमता पर भी पड़ता था। अब तस्वीर बदल रही है। क्यूआर कोड से होने वाला प्रत्येक भुगतान, बैंक हस्तांतरण और डिजिटल रसीद कारोबार की गतिविधियों का रिकॉर्ड तैयार कर रहे हैं। समय के साथ यही रिकॉर्ड कारोबारी की वित्तीय विश्वसनीयता का आधार बन सकता है। अरोड़ा का कहना है कि यूपीआई ने छोटे कारोबारियों के लिए भुगतान को सुविधाजनक बनाने के साथ वित्तीय अनुशासन को भी बढ़ावा दिया है। नियमित डिजिटल लेन-देन से कारोबार की आय और गतिविधियों का एक स्पष्ट रिकॉर्ड तैयार होता है। इससे औपचारिक ऋण लेने के लिए कारोबारियों के पास अपने व्यवसाय की स्थिति दिखाने का आधार मजबूत होता है। यानी एमएसएमई क्षेत्र में अब केवल कारोबार का आकार ही महत्वपूर्ण नहीं है। डिजिटल लेन-देन से तैयार होने वाला डेटा भी कारोबार की नई पहचान बनता जा रहा है।